

भारत करेगा मताला राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत सरकार ने घाटे में चल रहे श्रीलंका के मताला राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (Mattala Rajapaksa International Airport) के संचालन का नरिणय लया है ।

परमुख बढु

- इसका संचालन भारत और श्रीलंका के संयुक्त उदयम के तहत कया जाएगा और एयरपोर्ट के मालकाना हक में भी भारत की बड़ी हसिसेदारी भी रहेगी ।
- हालाँक,श्रीलंका के नागरक उड्डयन मंत्री नमिल सरिपिला डी सलवा ने संसद को बताया क सिमझौते का ववरण अभी तक तैयार नहीं कया गया है ।

मताला हवाई अड्डा

- यह हवाई अड्डा श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से 241 कलोमीटर दूर हंबनटोटा शहर में स्थतु है ।
- इस हवाई अड्डे का नामकरण पूरव राष्ट्रपतु महदु राजपक्षे के नाम पर कया गया था, जो चीन समर्थतु बुनयादी ढाँचा परयोजना है ।
- उल्लेखनीय है क हंबनटोटा बंदरगाह पर वर्तमान में चीन का नर्यंतरण है ।
- मताला हवाई अड्डे से बहुत कम उड्डानें संचालतु होती हैं, अतः यही कारण है क इस हवाई अड्डे को 'दुनया का सबसे खाली एयरपोर्ट' कहा जाता है ।
- इसका परचालन मार्च 2013 में शुरू हुआ था लेकनु लगातार घाटे तथा सुरक्षा कारणों से यहाँ की एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय उड्डान को भी इसी साल मई में बंद कर दया गया था ।

महत्त्व

- तटीय शहर हंबनटोटा रणनीतक दृषुट से श्रीलंका के साथ-साथ भारत के लयु बेहद महत्त्वपूरण है ।
- साथ ही इस हवाई अड्डे की सालाना दस लाख यात्रयों को सुवधु प्रदान करने की क्षमता है और वर्ष 2028 तक परतवरष 5 लाख यात्रयों, 50,000 टन कार्गो और 6,250 हवाई यातायात संचालन करने की भी उम्मीद है ।
- उल्लेखनीय है क वरष 2017 में सरकार ने इस हवाई अड्डे को लाभ-साझाकरण संयुक्त उदयम में बदलने के लयु नवशकों को आमंत्रतु भी कया था ।